an>

Title: Regarding high level of arsenic in water in the villages of District Ballia, Uttar Pradesh.

श्री भरत सिंह (बलिया) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

महोदय, मैं पूर्वांचल के ऐसे स्थान से आता हूं, आज पूरा पूर्वांचल आर्सेनिक युक्त पानी पीने के लिए बाध्य है। पूर्वांचल ही नहीं, बिहार के भी दो-चार जिले ऐसे हैं, जहां लोग आर्सेनिक युक्त पानी पीते हैं। उस आर्सेनिक युक्त पानी को पीने की वजह से पूरे क्षेत्र में हजारों लोगों को कैंसर हो रहा है, त्वचा का रोग हो रहा है, पेट की बीमारी हो रही है और पीने के लिए शुद्ध पानी नहीं है। इसकी वजह से नाना किस्म की चीजें हमारे सामने आ रही हैं।

उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करूंगा कि पूरे पूर्वांचल में पेयजल का समुचित इंतजाम किया जाए। आर्सेनिक युक्त पानी के लिए जो इंतजाम किए गए हैं, वे अपर्याप्त हैं। इसलिए सरकार से मेरी यही गुजारिश है कि सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो। माननीय मंत्री जी यहां बैठे हैं, मैं उनसे भी निवेदन करूंगा कि इस ओर विशेष ध्यान दें। वह बिहार के ही रहने वाले हैं।

उपाध्यक्ष जी, आप विशेष तौर इसके लिए कोई रूलिंग दे दीजिए जिससे मंत्री जी इस काम को करें। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra and

Shri Ashwini Kumar Choubey are permitted to associate with the issue raised by Shri Bharat Singh.

पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम कृपाल यादव): उपाध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने बहुत गम्भीर सवाल यहां उठाया है। मैं समझता हूं न सिर्फ उत्तर प्रदेश, बल्कि देश के कई राज्यों में ऐसे इलाके हैं जहां आर्सेनिक की समस्या है और सरकार इसे लेकर चिंतित भी है। सरकार की तरफ से विशेष राशि इन प्रभावित इलाकों के लिए सम्बन्धित राज्यों को उपलब्ध कराने की योजना है। राज्य सरकारों को इस सम्बन्ध में केन्द्र सरकार की ओर निदेश जारी किया गया है और यह राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे आर्सेनिक से प्रभावित इलाकों की इस समस्या को दूर किया जा सके। सरकार इस पर गम्भीरता से विचार करेगी।